(b) whether Government have formulated any scheme to extend facilities for tourists on the roads going to these places, and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK) (a) Yes, Sir

(b) and (c) Not for the present The development of tourist facilities in future in the Garhwal area will depend upon the quantum of funds made available for the Tourism Plan (1978—83) in the Central and State sectors

अल्प बचत योजना

2373 **श्री छविराम अर्गल** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) अल्प बचत योजना को अधिक न्यायोचित बनाने तथा राष्ट्रीयकृत बैंको को बचत योजनाओ के साथ उसे समन्वित करने के बारे मे उन्हे तथा केन्द्रीय अल्प-बचत सलाहकार बोर्ड को 3 दिसम्बर 1977 की बैठक मे क्या सुझाव प्राप्त हुये

(ख) धारक प्रतिभूति अथवा धारक प्रतिभूति बाड अल्प-बचत योजना आरम्भ करने और व्यक्तिगत जमा तथा सगठनात्मक जमा के बीच ब्याज के अतर को समाप्त करने के लिये भी कोई सुझाव प्राप्त हुये है, और

(ग) इस अल्प बचत योजना को न्यायोचित बनाने के प्रति सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जुल्फिकार उल्लाह) : (क) इस सबध मे जो अधिक महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए है उनमे से कुछ है — सस्थागत निवेशो के लिए कर योग्य अल्प बचत पत्रो को खुला बेचना, ब्याज की अदायगी वार्षिक आधार पर न करके थोडी-थोडी अवधि के पश्चात कई बार करना; व्यक्तियो द्वारा कर-मुक्त पत्रों की खरीद के लिए मैट्रिक सीमा को बढाना; बढिया ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय बचत बैंक की स्थापना करना आदि ।

जैसाकि बोर्ड की बैठक मे तय हुआ था, राष्ट्रीय बचत सगठन और वाणिज्यिक बैंको की योजनाओ का तुलनात्मक अध्ययन करने तथा वाणिज्यिक बैंको की योजनाओ मे अगर कोई परिवर्तन किए जाने हैं तो उन परिवर्तनो की सिफारिश करने के लिए एक विशेषज्ञ दल की स्थापना की जा रही है ।

(ख) जी हा । बोर्ड विचार-विमर्श के पश्चात इस बात के लिए सहमत हो गया कि धारक प्रतिभूति अथवा धारक प्रतिभूति बाड को जारी करने के सुझाव पर जोर न दिया जाए । जहा तक व्यक्तियो की जमा रकमो तथा सगठनो की जमा रकमो पर दिए जाने वाले ब्याज मे अतर का सबध है इस बारे मे यह निश्चय किया गया है कि इस मामले की जाच एक समिति द्वारा कराई जाए ।

(ग) अल्प बचत योजनाओ पर निरतर समीक्षा की जाती रहती है और जहा तक आवश्यक समझा जाता है इनमे समय-समय पर उपयुक्त सशोधन किए जाते रहते है ।

यूनाइटिड कमर्शियल बैंक के अध्यक्ष द्वारा ऋण लिया जाना

2374 **श्री माधव प्रसाद त्रिपाठी** : क्या वित्त मत्री यह बताने की कृपा करेंगे ·

(क) क्या सरकार को पता है कि 23 नवम्बर, 1972 से 28 मार्च, 1973 की अवधि यूनाइटेड कमर्शियल बैंक मे धाधली की अवधि बताई जाती है, जिसके दौरान यूनाइटेड कमर्शियल बैंक के चेयरमैन ने कुछ कम्पनियो को नियमो का उल्लघन करके

सौ करोड रुपये की धनराशि दी थी और वह रकम डूब गई है,

(ख) क्या यह सच है कि उक्त यूनाइटेड कमर्शियल बैंक के चेयरमैन ने एक वर्ष मे ही दो करोड इकहत्तर लाख रुपये का फर्नीचर खरीद कर निरर्थक व्यय किया था जैसा कि वर्ष 1976 के तुलन-पत्र मे दिखाया गया है, और

(ग) क्या उक्त शिकायतो के बारे मे और यूनाइटेड कमर्शियल बैंक मे धाधली के बारे मे सरकार का विचार जाच करने का है ताकि ऐसे राष्ट्रीयकृत बैंको मे भ्रष्टाचार रोका जा सके ?

वित्त मत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) यूनाइटेड कमर्शियल बैंक के अनुसार नवम्बर, 1972 और मार्च 1973 के अन्तिम सप्ताह के बीच भारत मे ऋणो की कुल बकाया राशि मे केवल 25 करोड रुपये के लगभग की वृद्धि हुई जो कि मौसमी कारणो सहित सामान्य प्रवृत्तियो के अनुसार थी । अध्यक्ष सहित बैंक के विभिन्न स्तर के अधिकारियो द्वारा ऋण स्वीकार करने मे सामान्य सिद्धान्तो का पालन किया गया था तथा नियमो अथवा मार्गदर्शी सिद्धान्तो का कोई उल्लघन नहीं किया गया ।

(ख) 31 दिसम्बर, 1976 की स्थिति के अनुसार बैंक द्वारा प्रकाशित तुलन-पत्र के अनुसार फर्नीचर और फिक्सचर (उपकरणो और मोटर गाडियो सहित) शीर्ष के अन्तर्गत उस वर्ष के दौरान 1 46 करोड रुपये का व्यय दिखाया गया है । यह अधिकाशत सुरक्षा-उपकरणो (सेफ डिपाजिट, लाकर्स करेंसी चेस्ट के लिये उपकरणो सहित) टाइपराइटरो, एकाउटिंग मशीनो, फर्नीचर और फिक्सचरो आदि की खरीद से सम्बन्धित है। ये खर्च केवल नई शाखाये खोलने और करेंसी चैस्टो की स्थापना के कारण ही नही हुए बल्कि पुरानी हो गयी चीजो के प्रतिस्थापन के लिए भी किये गये है । रिजर्व बैंक द्वारा की गई जाच के अनुसार यह सिद्ध नही होता कि बैंक ने इस हिसाब के लिये जो व्यय किया वह अवाछनीय अथवा अत्यधिक था ।

(ग) प्रश्न ही नही उठता ।

Loss to India's accumulated foreign Exchange due to depreciation in value of Dollars and Pounds

2375 SHRI YADVENDRA DUTT: Will the Minister of FINANCE be pleased to state

(a) whether India's accumulated four thousands crores of Foreign Exchange is held in Dollars and Pounds,

(b) if so, what steps have the Government of India taken to prevent losses due to the fall and depreciation in the value of pounds and dollar in international money market,

(c) what is the total amount of loss suffered by India in its accumulated foreign exchange held in dollars and pounds per year and

(d) whether the value of loss is equivalent to 300 crores a year or more?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H M PATEL) (a) India's foreign exchange reserves are held in various foreign currencies, including the US Dollar and the Pound Sterling and these amounted as on 3rd March 1978 to Rs 4136 5 crores

(b) to (d) In investing foreign exchange reserves, the Reserve Bank is guided by considerations of the safety of the funds, their liquidity and the yield However, in the present international monetary system, characterised by floating of the major currencies of the world, upward and downward movements in the value of these currencies are unavoidable In response, the exchange rate of the rupee in terms of these currencies is also liable to move in both directions, involving corresponding changes in the rupee